NTEGRAL
JNIVERSITY

Smita Srivastava <ssrivastava@iul.ac.in>

रिपोर्ट-हिंदी दिवस पर काव्य प्रतियोगिता का आयोजन प्रतियोगिता का विषय"भावों की अभिव्यक्ति"-

Faculty of Eduaction

1 message

Communication Cell IUL <communications@iul.ac.in> Tue, Jan 13, 2026 at 7:18 AM
Bcc: edfc@iul.ac.in

INTEGRAL UNIVERSITY

शिक्षा संकाय

द्वारा

हिंदी दिवस पर काव्य प्रतियोगिता का आयोजन

प्रतियोगिता का विषय**"भावों की अभिव्यक्ति"**

रिपोर्ट

प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी शिक्षा संकाय, इंटीग्रल विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा हिंदी दिवस बड़े उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। हिंदी दिवस प्रतिवर्ष 14 सितम्बर को मनाया जाता है, जो हिंदी भाषा के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं प्रचार-प्रसार में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस क्रम में 19 सितम्बर 2025 को शिक्षा संकाय की साहित्यिक समिति के तत्वावधान में *"भावों की अभिव्यक्ति"* विषय पर काव्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 19 सितम्बर 2025 को पूर्वाह्न 10:30 बजे, अकादमिक ब्लॉक W, फेज-द्वितीय, कक्ष संख्या W-301, तृतीय तल में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. स्मिता श्रीवास्तव के सम्बोधन से हुआ । तत्पश्चात कार्यक्रम का संचालन डॉ राकेश यादव ने किया। उन्होंने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को मंच पर आमंत्रित किया, जिन्होंने अपने-अपने भावपूर्ण एवं उत्कृष्ट काव्य-पाठ से श्रोताओं को प्रभावित किया। प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के कुल सत्रह छात्र/छात्राओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में श्रोताओं की अत्यधिक उपस्थिति ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों के पश्चात विभाग के शिक्षकों ने भी अपनी कविताओं का वाचन किया, जिससे कार्यक्रम की गरिमा और भी बढ़ गई।शिक्षा संकाय की सहायक प्राध्यापिका डॉ मनीषा सिंह द्वारा अपने जीवन के मनोभावों के लिकर उकेरी गयी पंक्तियों " ये मेरी कहानी है" ने सबको भाव-विभोर कर दिया। इसके अतिरिक्त अन्य प्राध्यापिकाओं डॉ सुमन सिंह, डॉ बुशरा सुमैया, डॉ सानिया कुलसुम, डॉ दिव्या राजकुमार पंजवानी, श्रीमती सबा परवीन ने भी सुन्दर काव्य पाठ किया,जिसे श्रोताओं ने तालियों से खूब सराहा। इस अवसर पर छात्रों एवं अध्यापकों की सक्रिय भागीदारी ने हिंदी भाषा के प्रति उनकी गहरी आस्था और संवेदनशीलता को दर्शाया।

कार्यक्रम में निर्णायक मंडल के रूप में विभिन्न विभागों के प्राध्यापकों को आमंत्रित किया गया था। इनमें डॉ. **वान्या श्रीवास्तव**, सहायक प्राध्यापिका, भाषा विभाग ने छात्रों को प्रेरित करते हुए 'त्रिशंकु की कहानी' सुनाई और हिंदी तथा अंग्रेज़ी भाषा के बीच अंतर को सरल रूप में स्पष्ट किया। अगले क्रम में डॉ. **अनिल कुमार सिंह**, सहायक प्राध्यापक, मानविकी विभाग ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि हमें हिंदी साहित्य के साथ-साथ अपने दैनिक जीवन में भी हिंदी शब्दों का प्रयोग बढ़ाना चाहिए।

बी. एस. सी. बायोटेक के अतुल ठाकुर ने " हिंदी मुझसे कहती है" कविता का पाठ कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान पर रहे मास कम्युनिकेशन के प्रशस्त शुक्ल ,जिन्होंने अपने भावपूर्ण एवं ओजस्वी पाठ से श्रोताओं के साथ निर्णायक मंडल को भी मंत्रमुग्ध कर दिया।तृतीय स्थान पर दो प्रतिभागियों का स्थान रहा डी. एल. एड., शिक्षा संकाय ,प्रथम वर्ष की मुस्कान तिवारी एवं डी. एल. एड., शिक्षा संकाय, द्वितीय वर्ष की आयुषी स्वर्णकार। दोनों ही प्रतिभागियों ने सुन्दर पाठ किया। हिंदी भाषा के उन्नयन में विद्यार्थियों के योगदान की सराहना करते हुए निर्णायक मंडल के सदस्यों ने भूरी -भूरी प्रशंसा की।

अंत में शिक्षा संकाय के **संकायाध्यक्ष प्रो(डॉ.) अदनान खान लोदी** ने प्रेरणादायी शब्दों के साथ हिंदी भाषा को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि भीड़ और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के बीच हिंदी को आगे बढ़ाना हम सबका दायित्व है। उन्होंने 'बिंदु' और 'बिंदी' जैसे उदाहरणों के माध्यम से हिंदी की विशेषता समझाई। साथ ही, काव्य प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान करने की घोषणा करते हुए उन्हें हिंदी भाषा के प्रति और

Department of Education
Integral University, Lucknow

Scanned with CamScanner

अंत में शिक्षा संकाय के **संकायाध्यक्ष प्रो(डॉ.) अदनान खान लोदी** ने प्रेरणादायी शब्दों के साथ हिंदी भाषा को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि भीड़ और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के बीच हिंदी को आगे बढ़ाना हम सबका दायित्व है। उन्होंने 'बिंदु' और 'बिंदी' जैसे उदाहरणों के माध्यम से हिंदी की विशेषता समझाई। साथ ही, काव्य प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान करने की घोषणा करते हुए उन्हें हिंदी भाषा के प्रति और अधिक उत्साहित किया। छात्रों के साथ- साथ पाठ करने वाले अध्यापकों में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले अध्यापक को भी प्रमाण पत्र देने की घोषणा संकायाध्यक्ष द्वारा की गयी। शिक्षा संकाय के सभी सदस्यों की गरिमापूर्ण उपस्थिति ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

इस प्रकार यह कार्यक्रम न केवल साहित्यिक अभिरुचि को जागृत करने में सफल रहा, बल्कि हिंदी भाषा की महत्ता और उसकी सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण का संदेश भी प्रदान करता है।

कार्यक्रम की झलकियाँ

छात्रों को सम्बोधित करते हुए संकायाध्यक्ष प्रो.(डॉ) अदनान खान लोदी

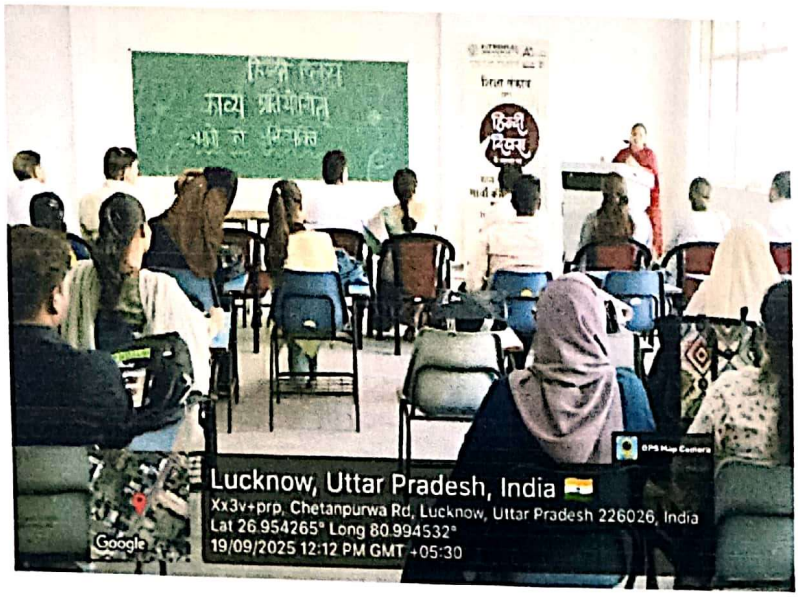

E Ah
Head
Department of Education
Integral University, Lucknow

Scanned with CamScanner

छात्रों को श्रेष्ठ काव्य पाठ की विशेषताएं बताते हुए निर्णायक मंडल के सदस्य डॉ अनिल कुमार सिंह

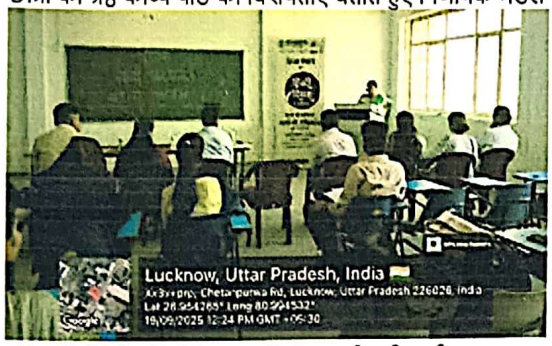

प्रतिभागियों को प्रतियोगिता का नियम बताते हुई कार्यक्रम समन्वयक डॉ स्मिता श्रीवास्तव

काव्य पाठ करती हुई एक प्रतिभागी

E Ah
Head
Department of Education
Integral University, Lucknow

Scanned with CamScanner

कार्यक्रम का सञ्चालन करते हुए डॉ राकेश यादव

Best Regards

Dr. Ekhlak Ahmad
Head, Dept. of Education
Integral University, Lucknow

Mobile No: 7007815522
Extn. No: 7033

E Ah

Head
Department of Education
Integral University, Lucknow

Prof. (Dr.) A. K. Lodi
Dean, Faculty of Education
Integral University, Lucknow
Mobile No: 9044796209
Extn. No: 7032

Scanned with CamScanner